ISSN: 2583-0511 (Online), www.pashupalakmitra.in

व्यावसायिक पशुपालन पद्धतियों में पशु कल्याण

डॉ.ममता, डॉ. मानव सिंह, डॉ.रजनीश सिरोही, डा. दीप नारायण सिंह एवं डॉ. अजय

पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय
दुवासु, मथुरा

व्यावसायिक पशुपालन पद्धतियों में पशु कल्याण पशुपालन की प्रबंधन प्रणाली की सफलता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। पशु कल्याण को दृष्टिगत करते हुए पशुपालन का मूल सिद्धांत फार्म व्यवस्था को पशुओं के लिए अनुकूल बनाना होना चाहिए न कि पशुओं को फार्म व्यवस्था के। डेयरी व्यवसाय में गहन पशुपालन व्यवस्था के प्रचलित होने से पशुओं के कल्याण में कहीं न कहीं कमी आई है। हालांकि हमारे देश में वाणिज्यिक संगठित फार्म बहुत सीमित हैं लेकिन छोटे और बड़े दोनों फार्मों में पशु कल्याण के मुद्दे हमेशा बने रहते हैं। संगठित और गहन पशुपालन व्यवस्था में कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर नीचे चर्चा की गई है-

पहचान चिन्ह देना

पशु कल्याण और अधिकार कार्यकर्ताओं ने गर्म ब्रांडिंग के उपयोग की कड़ी आलोचना की है, कई देशों में यह पशुधन कल्याण नियमों के प्रावधान के तहत एक निषिद्ध ऑपरेशन है। यहाँ इसके विकल्प के बारे में विचार किया जा सकता है क्यूंकि फ्रीज ब्रांडिंग हॉट ब्रांडिंग की तुलना में कम दर्दनाक होता है। इसके अतिरिक्त टैगिंग का उपयोग करते समय यह ध्यान देने कि आवश्यकता है कि कान के टैग एक प्रशिक्षित और सक्षम ऑपरेटर द्वारा लगाए जाने चाहिए ताकि पशुओं को अनावश्यक दर्द या परेशानी न हो।

सींग दागना

डिहॉर्निंग (सींगे हटाना) की तुलना में डिस्बडिंग (सींगे की कली हटाना) पशु के लिए बेहतर है क्योंकि यह पशुओं के लिए कम तनावपूर्ण होती है। आदर्श रूप से यह बछड़ों के 2 महीने के होने से पहले किया जाना चाहिए (जैसे ही सींग की कलियों को देखना संभव हो)। इसे एक प्रशिक्षित और सक्षम स्टॉक कीपर द्वारा लोकल अनेस्थेटिक के तहत गर्म लोहे के साथ किया जाना चाहिए। रासायनिक विधि से सींग दागना दागना पशु कल्याण के हित में नहीं होता है।

दूध छुड़वाना

खुले बर्तन से दूध पिलवाने पर बछड़ों के नैसर्गिक थनो को चूसने के व्यवहार को संतुष्टि नहीं मिलती। जिससे आगे चलकर पारस्परिक मुंह को चूसने जैसे दोषों कि प्रचुरता बढ़ती जाती है।

दोहन सम्बन्धी मुद्दे

दूध दोहने वाले को सभी दुग्ध दोहन प्रक्रियाओं को करने के लिए सक्षम होना चाहिए। आदर्श रूप से ग्वालो को औपचारिक प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। यदि मशीन द्वारा दोहन होता हो तो सुनिश्चित करें कि प्रत्येक सत्र में दूध देने वाली मशीन ठीक से काम कर रही है। रोबोटिक दुग्ध दोहन श्रम का अधिक कुशल उपयोग करने का अवसर प्रदान करता है। प्रतिदिन कम से कम दो बार रोबोटिक प्रणाली का मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

शुष्क करना

प्रसव पूर्व गायों को शुष्क करने के लिए आहार और पानी में कमी करके एकाएक दूध दोहन छोड़ दिया जाता है। गायें के थन में बढ़े हुए दूध के दबाव के कारन पशु लेटने में लगने वाले समय को कम कर देती हैं, जोकि होने वाली बेचैनी का सूचक है।

थनेला रोग

खराब आवास व्यवस्था और गाय की सफाई से थनेला रोग की दर बढ़ सकती है, जबकि बार-बार बिस्तर बदलने और दूध देने वाले पार्लर की स्वच्छता इसके जोखिम को कम कर सकती है। खुली आवास व्यवस्था में स्वच्छता को बढ़ाकर और थनों की चोट की घटनाओं को कम करने से थनेला रोग के जोखिम को भी कम किया जा सकता है।

फर्श और बिछावन

गायों के लिए आरामदायक मुद्रा में बैठना बहुत महत्वपूर्ण है और खाने या अन्य सामाजिक व्यवहार की तुलना में इसे उच्च प्राथमिकता दी जाती है। पशु आवास में फर्श प्रथागत रूप से ठोस होता है, क्योंकि यह सस्ती है और इसे साफ करना आसान माना जाता है। हालाँकि, यह गायों के लिए समस्या पैदा कर सकता है क्योंकि यह मूत्र के साथ कठोर, घर्षण और फिसलन वाली होती है।

बिछावन के प्रावधान से दुग्ध देने वाली गायों के आराम और स्वच्छता में सुधार होता है। अच्छी बिछावन सामग्री वह होती है जो नरम कृत्रिम हो और जो संक्रमण के जोखिम को बढ़ाए बिना आराम प्रदान करती हो। कार्बनिक पदार्थ जैसे पुआल या लकड़ी का बुरादा जीवाणु के विकास के लिए एक उत्पाद के रूप में कार्य कर सकते हैं और थनेला रोग के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।

व्यायाम

बाँध कर रखे गए पशुओं में प्राकृतिक गतिविधियों जैसे चलना, खोजपूर्ण व्यवहार और अपने को संवारना और चाटना गंभीर रूप से सीमित कर दिए जाते है। आवास व्यवस्था ऐसी हो जो की गायों को व्यायाम करने के लिए अत्यधिक प्रेरित के सके और उसके अवसर प्रदान कर सके। गायों को प्रतिदिन कम से कम एक घंटे का व्यायाम अवश्य करने दें।

पोषण प्रबंधन संबन्धित मुद्दे -

पशुओं को उनकी उम्र और प्रजातियों के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक आहार दिया जाना चाहिए ताकि उन्हें अच्छे स्वास्थ्य में रखा जा सके और उनकी पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा किया जा सके। खिलाने के अंतराल, पानी पिलाने, जहरीले खरपतवार आदि का ध्यान रखें।

दुग्ध काल में गाय के लिए पोषण की आवश्यकता अत्यधिक बढ़ जाती है। जो ऊर्जा की कमी को पूरा करने के लिए पर्याप्त खाने में असमर्थ हों, उन्हें यह विशाल चयापचय प्रक्रिया नकारात्मक ऊर्जा बैलेंस में डाल सकती है। वसा भंडार के अत्यधिक एकत्रीकरण से कीटोसिस हो सकता है, जो गंभीर मामलों में तंत्रिका तंत्र में गड़बड़ी जैसे कि चक्कर लगाना, भटकना और अत्यधिक लार आना जैसे लक्षण पैदा कर सकता है।

स्तनपान की शुरुआत के साथ दूध में कैल्शियम की अचानक कमी की भरपाई आहार सेवन या कंकाल कैल्शियम रिजर्व से पर्याप्त रूप से नहीं की जा सकती है। दुग्ध ज्वर , ऐसा ही एक अन्य रोग जो सामान्यतः अधिक उत्पादन करने वाली गायों को प्रभावित करता है।

प्रजनन प्रबंधन संबन्धित मुद्दे

प्रजनन तकनीकों के व्यापक उपयोग के परिणामस्वरूप चयनित सांडों का एक अपेक्षाकृत छोटा जीन पूल बन गया है, जिसके परिणामस्वरूप जैव विविधता में कमी आई है और अंतःप्रजनन में वृद्धि हुई है। इनब्रेड गायों को थनेला, कम प्रजनन क्षमता और उत्पादन का खतरा बढ़ सकता है। जहां संभव हो प्रजनन सांडो को अन्य पशुओं के साथ रखा जाना चाहिए। सांड को फार्म की गतिविधियों को देखने और सुनने के अवसर मिलने चाहिए।

पशुओं के कल्याण को ध्यान में रखते हुए उनसे व्यवहार करें जैसे कि सकारात्मक बातचीत का उपयोग करें (टीकाकरण जैसे अप्रिय अनुभव को कम करने के लिए भोजन आदि का इनाम दें) अत्यधिक आवाज न करें, गायों को लंबे समय तक न घूरें, दुग्ध पार्लर में दर्दनाक प्रक्रियाओं से बचें, पशुओं को व्यक्तिगत रूप से नहीं बल्कि समूह में लेकर चले।